



# NEWSLETTER

शनिवार, 07 अक्टूबर 2023 | वॉल्यूम - 66

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News



खानदेश जिन-प्रेस एसोसिएशन जलगांव महाराष्ट्र (भारत) के द्वारा आयोजित की गई कॉटन मिट 2023 गोवा की कुछ मुख्य बातें।

**IMPORT & EXPORT UPDATE**



**GOLD : 56898**  
**SILVER : 68290**  
**CRUDE OIL : 6880**

## मध्य प्रदेश में अतिवृष्टि का रुई के उत्पादन और गुणवत्ता पर प्रभाव



**Dr Arun Kumar Bajpai** (Ph.d, MBA, M.Sc.)  
Ex. Director DAVV & NTC

### उपरोक्त विषय पर महान शिक्षाविद एवं तकनीक विशेषज्ञ डॉ. बाजपेयी साहब से प्राप्त जानकारी का विवरण निम्न प्रकार है

इस वर्ष मध्य प्रदेश के कपास की खेती वाले क्षेत्र में अतिवृष्टि ने उत्पादन व गुणवत्ता का गणित बिगाड़ दिया है। पैदावार के उचित दाम न मिलने से किसानों में निराशा है। कपास मंडिओ में इस सीजन की आवक होना शुरू हो गई है। न्यूनतम भाव 3490 प्रति क्विंटल से 7311 तक का भाव मिल रहा है। प्रभावित हुई कपास की फसल के उचित दाम न मिलने से किसानों में निराशा है और निकट भविष्य में भी कपास के भाव बढ़ने के आसार नज़र नहीं आ रहे हैं।

पिछले दो सालों में किसानों को कपास के रिकॉर्ड भाव मिले हैं जो लगभग 13000 से 14000 पर क्विंटल तक मिले थे। पिछले साल भी अधिकतम भाव लगभग 11000 प्रति क्विंटल से ऊपर तक देखा गया था। प्रदेश के सबसे बड़े उत्पादन जिले खरगोन में किसान भाइयों ने चर्चा के दौरान बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि उत्पादन प्रभावित होने से भाव में सुधार होगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। वर्तमान में कपास का जो औसत भाव मिल रहा है उसमें तो उपज की लागत नहीं निकल पा रही है, फिलहाल कपास में नमी अधिक है। इससे क्वालिटी अनुसार भाव नहीं मिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मांग कमजोर होने से भाव बढ़ने के आसार नहीं हैं। अब किसानों को एक ही उम्मीद है CCI कपास खरीदी शुरू करे लेकिन CCI की खरीदी अपने तय मापदंडों पर ही होती है। और उनकी कपास खरीदी में लगभग 10 % तक की नमी स्वीकार्य है।

इस वर्ष मध्यप्रदेश में लगभग 6.5 लाख हेक्टर जमीन पर कपास की बोनी हुई है MSP खरीदी नहीं होने पर भी CCI स्थायी और महत्पूर्ण ग्राहकों के लिए 10 से 15 लाख गठान खरीदने को कटिबद्ध है। CCI अधिकारी द्वारा बताया गया है की यदि MSP खरीदी होती है तो विभाग की तैयारियां पूर्ण है। और इसी तारतम्य में जिनिंग एवं प्रेसिंग के साथ अनुबन्ध सम्पन्न हो गए हैं।

मध्य प्रदेश भारत के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में से एक है, और राज्य में कपास की खेती के कई फायदे हैं:

**कृषि अर्थव्यवस्था:** मध्य प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था में कपास की खेती महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह बड़ी संख्या में किसानों को आजीविका प्रदान करता है और राज्य की समग्र कृषि आय में योगदान देता है।

**आय सृजन:** मध्य प्रदेश में किसानों के लिए कपास की खेती लाभदायक हो सकती है, क्योंकि वैश्विक मांग अधिक होने पर कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है और अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

**रोजगार:** कपास की खेती न केवल कृषि क्षेत्र में बल्कि ओटाई, कताई और कपड़ा निर्माण जैसी संबंधित गतिविधियों में भी रोजगार के अवसर पैदा करती है।

**निर्यात क्षमता:** मध्य प्रदेश कपास को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किया जा सकता है, जो देश के लिए विदेशी मुद्रा आय में योगदान देता है।

**कपड़ा उद्योग:** मध्य प्रदेश में उत्पादित कपास घरेलू कपड़ा उद्योग का समर्थन करता है, जो राज्य के औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

**सरकार से समर्थन:** भारत के कई अन्य कपास उत्पादक राज्यों की तरह, मध्य प्रदेश सरकार कपास की खेती को बढ़ावा देने, वित्तीय सहायता प्रदान करने और कपास किसानों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सहायता योजनाएं और सब्सिडी प्रदान करती है।





## काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

## SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 07.10.2023

## ICE COTTON

MONTH	02.10.23	06.10.23	WEEKLY CHANGE
DEC	87.75	87.14	-0.61
MARCH	88.59	88.19	-0.4
MAY	89.18	88.95	-0.23

## MCX (COTTON)

NOV	60600	59900	-700
-----	-------	-------	------

## NCDEX (KAPAS)

APRIL	1624	1662	38
-------	------	------	----

## NCDEX (COCUD KHAL)

DEC	2670	2777	107
JAN	2667	2775	108
FEB	2729	2780	51

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

## CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.21	83.25	0.04
PAK (Pakistani Rupee)	282.114	278.298	-3.816
CNY (Chinese yuan)	7.23319	7.20446	-0.02873
BRAZIL (Real)	5.06515	5.14973	0.08458
AUSTRALIAN Dollar	1.58531	1.56640	-0.01891
MALAYSIAN RINGGITS	4.7229	4.72628	0.00338

COTLOOK "A" INDEX	97.35	96.65	-0.7
BRAZIL COTTON INDEX	80.01	79.37	-0.64
USDA SPOT RATE	83.07	82.43	-0.64
MCX SPOT RATE	61000	59760	-1240
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18000	17500	-500

GOLD (\$)	1838.00	1847.00	9
SILVER (\$)	21.010	21.765	0.755
CRUDE (\$)	88.18	82.81	-5.37

अक्टूबर माह के पहले सप्ताह इंटरनेशनल काँटन मार्केट में गिरावट देखने को मिली |

इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए काँटन के भाव क्रमशः 0.61 , 0.40 और 0.23 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। नवंबर माह के सौदे के भाव में 700 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट आयी |

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव 38 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वही खल के भाव में क्रमशः दिसंबर और जनवरी-24 माह में 107 और 108 रूपए प्रति क्विंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स में 0.70 सेंट की गिरावट आयी, यूएसडीए स्पॉट रेट 0.39 सेंट गिरा और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1240 रूपय प्रति कैंडी की गिरावट हुई, वही ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 0.64 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 500 रूपए तक भाव घटे।

## ऑल इंडिया काँटन ब्रोकर एसोसिएशन, भारत



## ALL INDIA COTTON CROP APPROXIMATE PRESSING FIGURE STATE WISE

FINAL PRESSING REPORT RUNNING BALES 162 /170 KG UPTO 30 SEPT. 2022-23

SR. NO.	STATE / ZONE	ESTIMATION	ARRIVAL FIG. 162	ARRIVAL FIG. 170
1	GUJARAT	97,00,000	98,50,000	9386470.588
2	MAHARASTRA	96,00,000	1,15,49,900	11006375.29
3	KARNATAKA	22,00,000	23,16,900	2207869.412
4	TELANGANA	34,00,000	34,00,000	3240000
5	NORTH ZONE	44,00,000	44,50,000	4240588.235
6	MADHYA PRADESH	20,50,000	20,92,300	1993838.824
7	ANDHRA PRADESH	17,50,000	17,50,000	1667647.059
8	ODISHA	3,50,000	3,45,151	328908.6
9	TAMILNADU	9,00,000	8,70,000	829058.8235
10	OTHER	2,00,000	2,00,000	190588.2353
GRAND TOTAL (162 KG)		3,45,50,000	3,68,24,251	
GRAND TOTAL (170 KG)		3,29,24,117	3,50,91,345	35091345.07



## VIDARBHA OIL MILL ASSOCIATION



October 12, 2023

10:00 AM - 4:30 PM

The Grand Mehfil  
Amravati (Maharashtra)

Rs. 1500 /-

Scan code for Registration :



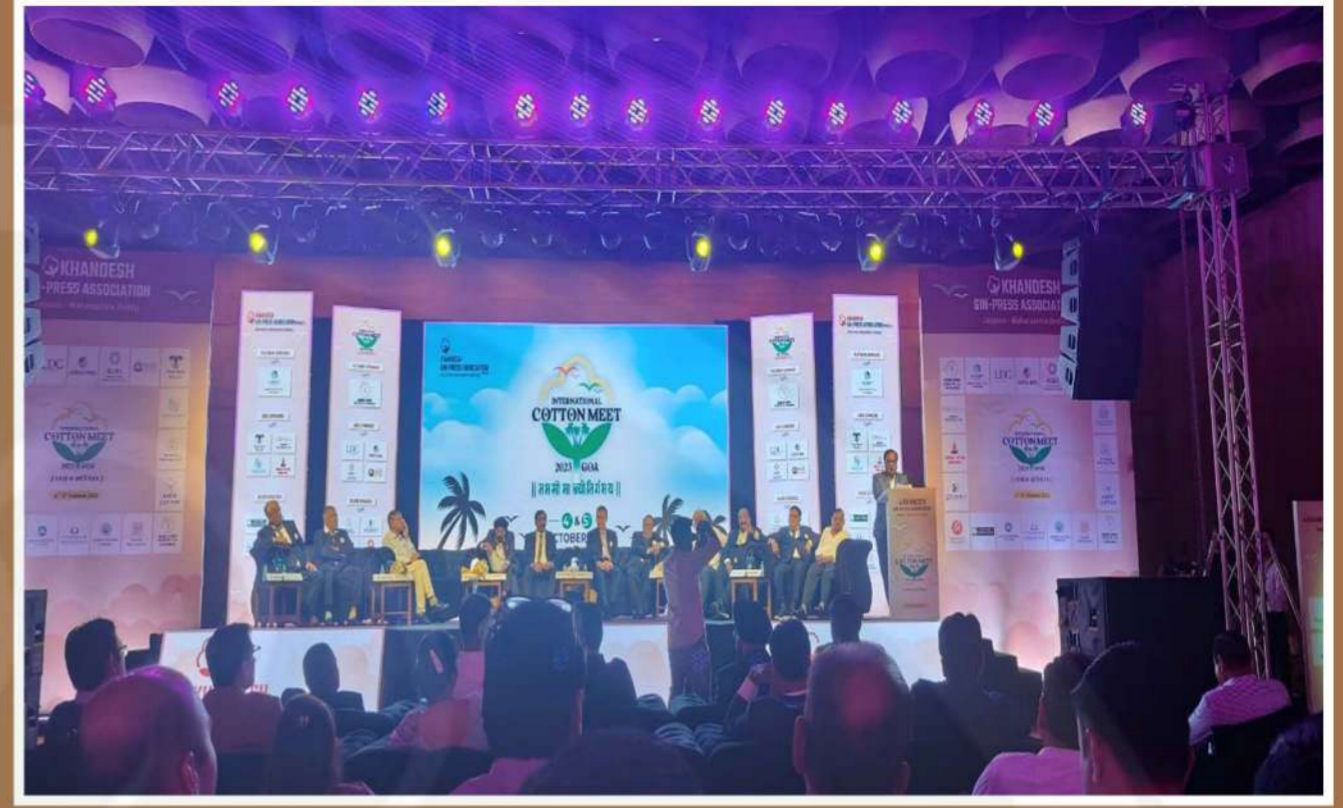
Payment at UPI Id : 9422843521@ybl or Mobile Number : 9422843521

Oil millers, seed brokers, cake brokers,  
Oil brokers, Ginners, Trader- Buyers...Agenda : Challenges faced by oil  
mill Industry

Media Partner - Smart Info Services



# खानदेश जिन-प्रेस एसोसिएशन जलगांव - महाराष्ट्र (भारत)



खानदेश जिन-प्रेस एसोसिएशन जलगांव - महाराष्ट्र (भारत) के द्वारा आयोजित की गई इंटरनेशनल कॉटन मीट 2023 गोवा की कुछ मुख्य बातें।

**श्री अतुल गणाला जी**  
अध्यक्ष

खानदेश जिन्स हमेशा से अच्छी गुणवत्ता वाली कपास बनाते आये है, इस एरिये के जिन्स पूरी तरह भरसे मंद है। इस सीजन एक्सपोर्ट (170 kg.) के हिसाब से 16 लाख बेल्स का हुआ है इम्पोर्ट 13 लाख बेल्स का हुआ, क्लोजिंग स्टॉक 27 लाख बेल्स का है जिसमे 20 लाख गाठ के आसपास मिल्स के पास है बाकि की 7 लाख ट्रेडर, MNC आदि के पास है। सीएआई ने सरकार से मॉटेसो बीज कंपनी को भारत में वापस लाने का अनुरोध किया है, हमें अपना उत्पादन बढ़ाने के लिए नई बीज तकनीक लानी होगी।

**श्री भूपेंद्र राजपाल जी**  
उपाध्यक्ष (सीएआई)

BIS जिन्स के लिए अच्छा नियम है इससे हमारी कपास की गुणवत्ता में सुधार आएगा जिन्स को इसे अच्छे से पढ़ना चाहिए, हमें सिर्फ इसका विरोध इसलिए नहीं करना चाहिए की कुछ लोगो ने करा वास्तव में ये जिन्स के लिए अच्छा है, में भारतीय कपास के सभी व्यापारियों से अनुरोध करता हु सभी अपना व्यापार कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CAI) के अनुबंध के अनुसार करे।

**मुकुल तयाल जी**  
तयालसंस प्रायवेट लिमिटेड

विश्व की 60 प्रतिशत कपास की फसल सिर्फ चार देशो में आती है जिसमे भारत, चीन, अमेरिका और ब्राज़ील है, इसमें से ब्राज़ील को हटा दे तो बाकि तीनों देशो के प्रोडक्शन में गिरावट है भारत देश में ज्यादातर स्पिंडल बंद हो रहे है या दूसरे फाइबर पर जा रहे है जैसे पॉलीस्टर, विस्कोस, ऐक्रेलिक, बंबू आदि। इसलिए देश की खपत में भी गिरावट आयी है।

**रमन भल्ला जी**  
LDC

चीन ने पिछले साल लगभग 60 लाख गाठो का आयात करा था इस वर्ष उन्होंने करीब 100 लाख से ज्यादा गाठो का आयात करा है चीन का आरक्षित स्टॉक कम होता जा रहा है आरक्षित स्टॉक में से 36 लाख गाठ बिक चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 6% लोगो ने पॉलीस्टर कॉटन और विस्कोस कॉटन के परिधानों का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

**उनुपम कौशिक जी**  
ओलम एग्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

भारत की कपास की पैदावार साल दर साल गिर रही है पिछले 5 वर्षों में फसलें 360-370 लाख गाठ तक पहुंचने के बाद पैदावार निरंतर घट रही है और यह चिंता का विषय है। इस वर्ष 22-23 सीज़न में भारत की कपास की उपज 425 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर अनुमानित है (422 \* 128 लाख हेक्टेयर फसल का आकार लगभग 318 लाख गांठें) किसानों के पास अब कपास के अलावा अन्य कई किस्मों की बुआई के विकल्प हैं, अगर उन्हें उचित क्रीम नही मिलेगी तो आने वाले वर्षों में कपास की बुआई कम होने की संभावनायें हैं

**गोपाल अग्रवाल जी**  
रिद्धि सिद्धि कॉटेक्स (औरंगाबाद)

आज के समय में स्टॉक करना बुरा नहीं है लेकिन हर किसी को अपनी पोजीशन हेज करके रखनी चाहिए, हमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों से सीखना चाहिए बिज़नेस कैसे करे।

"खानदेश जिन-प्रेस एसोसिएशन को इंटरनेशनल कॉटन मीट 2023 गोवा सम्मेलन की सफलता पर बधाई! यह स्पष्ट है कि आपकी कड़ी मेहनत और समर्पण सफल रहा। यह कार्यक्रम एक जबरदस्त उपलब्धि थी, और हमें यकीन है कि इसमें भाग लेने वाले सभी व्यापारियों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है।"

**बधाईकर्ता**  
स्मार्ट इन्फो सर्विसेस



# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

### वैश्विक कमी के बीच ऑस्ट्रेलियाई कपास निर्यात बढ़ेगा

2024 की ऑस्ट्रेलियाई कपास की फसल के लिए कुछ सकारात्मक संकेत हैं क्योंकि वैश्विक मांग बढ़ रही है, जबकि प्रमुख प्रतिस्पर्धियों को मौसमी परिस्थितियों के कारण फसल की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

### वाणिज्य सचिव ने भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी प्रणाली की छठी बैठक में भाग लिया

उनके साथ भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 व्यापारिक नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। यह यात्रा द्विपक्षीय व्यापार में तेज वृद्धि की पृष्ठभूमि में हो रही है जो पिछले दो वर्षों में दोगुना होकर 16 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते वाणिज्यिक जुड़ाव को मजबूत करना था।

### सिमा ने कपास पर आयात शुल्क में छूट की मांग की

दक्षिणी भारत मिल्स एसोसिएशन ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अप्रैल और अक्टूबर के बीच कपास को 11% आयात शुल्क से छूट देने की अपील की है, जब किसान आमतौर पर अपने पास कपास का स्टॉक पूरा कर लेते हैं।

### अनिश्चितताओं के बीच हितधारकों ने नए कपास सीजन में कदम रखा

बेमौसम बारिश, गुलाबी बॉलवर्म का संक्रमण और कपड़ा उद्योग से कमजोर मांग किसानों के सामने कुछ चुनौतियां हैं, क्योंकि नए सीजन (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024) की शुरुआत के साथ ताजा चुनी हुई कपास बाजार में आने लगती है, किसान, व्यापारी और कपड़ा उद्योग यह देखने का इंतजार कर रहा है कि उत्पादन, मांग और कीमत का रुझान कैसे विकसित होगा।

### पंजाब में कपास की आवक में पिछले वर्ष की तुलना में 300% से अधिक की वृद्धि देखी गई है।

पंजाब राज्य विपणन बोर्ड से एकल किए गए आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पिछले साल की तुलना में मंडियों (बड़े बाजार) में कपास की आवक में 300% से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 3 अक्टूबर तक, पंजाब को 1.75 लाख क्विंटल नरमा (कच्चा कपास) प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 43,000 क्विंटल था, जो कि आवक में 307% की वृद्धि दर्शाता है।

### काँटन फिजिकल मार्केट अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में काँटन के भाव में मंदी का माहौल रहा।

यह सप्ताह काँटन फिजिकल मार्केट के लिए मंदी वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ झोन में गिरावट देखी गई।

नार्थ झोन में पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान में क्रमशः 65, 55 और 75 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखी गई।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य में 500 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट देखने को मिली, गुजरात में सबसे ज्यादा 800 रुपए प्रति कैंडी भाव गिरे।

साउथ झोन मार्केट में भी गिरावट जारी रही। सबसे ज्यादा आंध्रप्रदेश में 1500 रुपए प्रति कैंडी तक की गिरावट देखी जबकि ओडिशा में सबसे कम 800 रुपए की गिरावट हुई। कर्नाटक और तेलंगाना में 1000 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट आयी।

STATE		STAPLE LENGTH		03.10.23		07.10.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH			
<b>NORTH ZONE</b>								
PUNJAB	28.5	6,100	6,125	6,020	6,060			-65
HARYANA	27.5/28	6,000	6,015	5,960	5,960			-55
UPPER RAJASTHAN	28	5,950	6,025	5,800	5,950			-75
<b>CENTRAL ZONE</b>								
GUJARAT	29	60,300	60,800	59,000	60,000			-800
MADHYA PRADESH	29	59,500	60,000	59,000	59,500			-500
MAHARASHTRA	29 vid.	60,000	60,500	59,500	60,000			-500
<b>SOUTH ZONE</b>								
ODISHA	29.5+	61,300	61,400	60,500	60,600			-800
KARNATAKA	29.5/30 mm	59,500	60,000	58,500	59,000			-1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	60,500	61,000	59,000	59,500			-1,500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	61,000	59,000	60,000			-1,000
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
<b>NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.</b>								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								





# NEWSLETTER

Saturday, 07 October 2023 | Volume - 66

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News



Some highlights of Cotton Meet 2023 Goa organized by Khandesh Gin-Press Association Jalgaon Maharashtra (India).



**GOLD : 56898**  
**SILVER : 68290**  
**CRUDE OIL : 6880**

## Impact of excessive rainfall on cotton production and quality in Madhya Pradesh



**Dr Arun Kumar Bajpai** (Ph.d, MBA, M.Sc.)  
Ex. Director DAVV & NTC

**The details of the information received from the great educationist and technology expert Dr. Bajpayee Saheb on the above subject are as follows:**

This year, excessive rainfall in the cotton farming areas of Madhya Pradesh has spoiled the mathematics of production and quality. Farmers are disappointed due to not getting fair prices for their produce. The arrival of this season's cotton has started in the markets. The minimum price is ranging from Rs 3490 per quintal to Rs 7311. Farmers are disappointed due to not getting fair prices for the affected cotton crop and there are no chances of cotton prices increasing in the near future.

In the last two years, farmers have got record prices of cotton which were around Rs 13000 to Rs 14000 per quintal. Last year also the maximum price was seen above Rs 11000 per quintal. During the discussion, farmer in Khargone, the largest production district of the state, told that they had hoped that the prices would improve due to the impact of production but it did not happen. At present the average price of cotton is not able to cover the cost of production, currently the moisture in cotton is high. Due to this, the prices are not available as per the quality. Even at the international level, there is no possibility of price increase due to weak demand. Now the farmers have only one hope that CCI should start purchasing cotton but CCI purchases are done only on its own set parameters. And moisture up to about 10% is acceptable in their cotton purchases.

This year, cotton has been sown on approximately 6.5 lakh hectares of land in Madhya Pradesh. Even if MSP is not purchased, CCI is committed to purchase 10 to 15 lakh bales for permanent and important customers. CCI officer has told that if MSP is purchased then the preparations of the department are complete. And in this sequence, contracts have been signed with Ginig and Nam Pressing.

Madhya Pradesh is one of the major cotton producing states of India, and cotton cultivation in the state has many advantages:

**Agricultural Economy:** Cotton cultivation plays an important role in the agricultural economy of Madhya Pradesh. It provides livelihood to a large number of farmers and contributes to the overall agricultural income of the state.

**Income Generation:** Cotton cultivation can be profitable for farmers in Madhya Pradesh, as cotton prices can fluctuate when global demand is high and can yield good returns.

**Employment:** Cotton cultivation creates employment opportunities not only in the agriculture sector but also in related activities like ginning, spinning and textile manufacturing.

**Export Potential:** Madhya Pradesh cotton can be exported to international markets, contributing to foreign exchange earnings for the country.

**Textile Industry:** Cotton produced in Madhya Pradesh supports the domestic textile industry, which contributes significantly to the industrial and manufacturing sector of the state.

**Support from the Government:** Like many other cotton producing states in India, the Government of Madhya Pradesh provides various support schemes and subsidies to promote cotton cultivation, provide financial assistance and ensure the well-being of cotton farmers.





## A look at the weekly movement of the cotton market

## SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 07.10.2023

## ICE COTTON

MONTH	02.10.23	06.10.23	WEEKLY CHANGE
DEC	87.75	87.14	-0.61
MARCH	88.59	88.19	-0.4
MAY	89.18	88.95	-0.23

## MCX (COTTON)

NOV	60600	59900	-700
-----	-------	-------	------

## NCDEX (KAPAS)

APRIL	1624	1662	38
-------	------	------	----

## NCDEX (COCUD KHAL)

DEC	2670	2777	107
JAN	2667	2775	108
FEB	2729	2780	51

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

## CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.21	83.25	0.04
PAK (Pakistani Rupee)	282.114	278.298	-3.816
CNY (Chinese yuan)	7.23319	7.20446	-0.02873
BRAZIL (Real)	5.06515	5.14973	0.08458
AUSTRALIAN Dollar	1.58531	1.56640	-0.01891
MALAYSIAN RINGGITS	4.7229	4.72628	0.00338

COTLOOK "A" INDEX	97.35	96.65	-0.7
BRAZIL COTTON INDEX	80.01	79.37	-0.64
USDA SPOT RATE	83.07	82.43	-0.64
MCX SPOT RATE	61000	59760	-1240
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18000	17500	-500

GOLD (\$)	1838.00	1847.00	9
SILVER (\$)	21.010	21.765	0.755
CRUDE (\$)	88.18	82.81	-5.37

There was a decline in the international cotton market in the first week of October.

Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 on the International Cotton Exchange fell by 0.61, 0.40 and 0.23 cents respectively.

A decline was also seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal price for the month of November fell by Rs 700 per candy.

On NCDEX, cotton prices increased by Rs 38 per 20 kg, while the price of Khal increased by Rs 107 and Rs 108 per quintal in the months of December and January-24 respectively.

If we look at the exchange market of other countries, Cotton Look "A" index fell by 0.70 cents, USDA spot rate fell by 0.39 cents and MCX spot rate fell by Rs 1240 per candy, while Brazil Cotton Index fell by 0.64 points. Has been done. At Pakistan's KCA spot rate, prices fell by Rs 500 by the end of the week.

## All India Cotton Broker Association, India



## ALL INDIA COTTON CROP APPROXIMATE PRESSING FIGURE STATE WISE

## FINAL PRESSING REPORT RUNNING BALES 162 /170 KG UPTO 30 SEPT. 2022-23

SR. NO.	STATE / ZONE	ESTIMATION	ARRIVAL FIG. 162	ARRIVAL FIG. 170
1	GUJARAT	97,00,000	98,50,000	9386470.588
2	MAHARASTRA	96,00,000	1,15,49,900	11006375.29
3	KARNATAKA	22,00,000	23,16,900	2207869.412
4	TELANGANA	34,00,000	34,00,000	3240000
5	NORTH ZONE	44,00,000	44,50,000	4240588.235
6	MADHYA PRADESH	20,50,000	20,92,300	1993838.824
7	ANDHRA PRADESH	17,50,000	17,50,000	1667647.059
8	ODISHA	3,50,000	3,45,151	328908.6
9	TAMILNADU	9,00,000	8,70,000	829058.8235
10	OTHER	2,00,000	2,00,000	190588.2353
GRAND TOTAL (162 KG)		3,45,50,000	3,68,24,251	
GRAND TOTAL (170 KG)		3,29,24,117	3,50,91,345	35091345.07



## VIDARBHA OIL MILL ASSOCIATION



October 12, 2023

The Grand Mehfil  
Amravati (Maharashtra)

10:00 AM - 4:30 PM

Rs. 1500 /-

Scan code for Registration :



Payment at UPI Id : 9422843521@ybl or Mobile Number : 9422843521

Oil millers, seed brokers, cake brokers,  
Oil brokers, Ginners, Trader- Buyers...Agenda : Challenges faced by oil  
mill Industry

Media Partner - Smart Info Services



# Khandesh Gin-Press Association Jalgaon - Maharashtra (India)



Some highlights of International Cotton Meet 2023 Goa organized by Khandesh Gin-Press Association Jalgaon - Maharashtra (India).

**Mr. Atul Ganatra**  
Chairman

Khandesh Ginners has always been producing good quality cotton, the ginners of this area are completely reliable. According to the export this season (170 kg.), 16 lakh bales have been imported, 13 lakh bales have been imported, the closing stock is 27 lakh bales, of which around 20 lakh bales are with the mills and the remaining 7 lakh are with traders, MNCs etc. Is nearby. CAI has requested the government to bring Montoso Seed Company back to India, we have to bring new seed technology to increase our production.

**Shri Bhupendra Rajpal ji**  
Vice President (CAI)

BIS is a good rule for ginners, it will improve the quality of our cotton, ginners should follow it well, we should not oppose it just because some people have done it, in fact it is good for ginners, in all Indian cotton industries. I request the traders to do their business as per the contract of Cotton Association of India (CAI).

**Mukul Tayal ji**  
Tayalsons Pvt. Ltd.

60 percent of the world's cotton crop comes from only four countries, which are India, China, America and Brazil. If we remove Brazil from this, there is a decline in the production of the remaining three countries. In India, most of the spindles are being closed or other fibers are being produced. But going on like polyester, viscose, acrylic, bamboo etc. Therefore the country's consumption has also declined.

**Raman Bhalla ji**  
LDC

Last year, China had imported about 60 lakh bales, this year they have imported more than 100 lakh bales. China's reserve stock is decreasing, out of the reserve stock, 36 lakh bales have been sold. 6% of people in the United States have started using polyester cotton and viscose cotton garments.

**Anupam Kaushik ji**  
Olam Agri India Pvt. Ltd.

India's cotton production is falling year after year. After crop production reaching 360-370 lakh bales in the last 5 years, the yield is continuously declining and this is a matter of concern. India's cotton yield in this year 22-23 season is estimated at 425 kg per hectare (422 \* 128 lakh hectares crop size is about 318 lakh bales) Farmers now have the option of sowing many varieties other than cotton, if they want. If fair price is not received then there are chances of reduction in cotton sowing in the coming years.

**Gopal Agarwal ji**  
Riddhi Siddhi Cotex (Aurangabad)

In today's time, stocking is not bad but everyone should hedge their positions, we should learn from multinational companies how to do business.

*"Congratulations to the Khandesh Gin-Press Association on the success of the International Cotton Meet 2023 Goa Conference! It is clear that your hard work and dedication paid off. The event was a tremendous achievement, and we are sure that it will be a great reflection on all the traders who participated. Has left a lasting impact."*

**Greeter**  
Smart Info Services



# TOP 5

## NEWS OF THE WEEK

### Australian cotton exports to grow amid global shortages

There are some positive signs for the 2024 Australian cotton crop with global demand increasing while major competitors are facing crop shortfalls due to seasonal conditions.

### Commerce Secretary attends 6th meeting of India-Brazil Trade Monitoring System.

He was accompanied by a delegation of 20 business leaders representing the Confederation of Indian Industry (CII). The visit was happening in the backdrop of the sharp growth in the bilateral trade which had doubled over the last two years reaching US\$16 Billion. It was aimed at strengthening this rapidly growing commercial engagement between the two countries.

### SIMA seeks exemption of import duty on cotton

The Southern India Mills' Association has appealed to Union Finance Minister Nirmala Sitharaman to exempt cotton from 11 % import duty between April and October when the farmers usually complete sale of cotton stocks with them.

### Stakeholders step into new cotton season amid uncertainties

Unseasonal rainfall, pink bollworm infestation and weak demand from the textile industry are some of the challenges facing farmers As freshly-picked cotton trickles into the market with the commencement of the new season (October 2023 to September 2024), farmers, traders, and the textile industry are waiting to see how production, demand, and price trends will evolve.

### Punjab Cotton arrivals see over 300% increase compared to last year.

According to data collected from Punjab State Marketing Board, the state has witnessed a significant increase of over 300% in cotton arrivals to mandis (big market) compared to last year. As of October 3, Punjab has received 1.75 lakh quintals of Narma (raw cotton) compared to 43,000 quintals during the same period last year, showing an increase of 307% in arrivals.

*Cotton Physical Market: There was a recession in cotton prices in the first week of October.*

This week was bearish for the cotton physical market. A decline was seen in North, Central and South zones.

In the North Zone, Punjab, Haryana and Upper Rajasthan witnessed a decline of Rs 65, 55 and 75 per maund respectively.

Whereas in the Central Zone states of Madhya Pradesh and Maharashtra, a fall of Rs 500 per candy was seen, in Gujarat the price fell the most by Rs 800 per candy.

The decline continued in the South Zone market also. Andhra Pradesh saw the highest fall of up to Rs 1500 per candy, while Odisha saw the lowest fall of Rs 800. There was a decline of Rs 1000 per candy in Karnataka and Telangana.

STATE		STAPLE LENGTH		03.10.23		07.10.23		CHANGE
				LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>								
PUNJAB	28.5	6,100	6,125	6,020	6,060			-65
HARYANA	27.5/28	6,000	6,015	5,960	5,960			-55
UPPER RAJASTHAN	28	5,950	6,025	5,800	5,950			-75
<b>CENTRAL ZONE</b>								
GUJARAT	29	60,300	60,800	59,000	60,000			-800
MADHYA PRADESH	29	59,500	60,000	59,000	59,500			-500
MAHARASHTRA	29 vid.	60,000	60,500	59,500	60,000			-500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
<b>SOUTH ZONE</b>								
ODISHA	29.5+	61,300	61,400	60,500	60,600			-800
KARNATAKA	29.5/30 mm	59,500	60,000	58,500	59,000			-1,000
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	60,500	61,000	59,000	59,500			-1,500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	59,000	61,000	59,000	60,000			-1,000
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								